THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) Rs. 3362.23 crores.

(b) During the period from 1985-86 to 1989-90 (up to June 1990 in the case of BSF), a sum of Rs. 80.18 crores was actually received from State Government concerned for deployment of CRPF|BSF. System of payment against deployment of ITBP has been introduced only with effect from 26-2-1990.

Work permits for Indian nationals in Nepal

244. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Nepalese Government have recently notified that Indian nationals no longer require work permits for their employment in the Kathmandu Valley;

(b) whether the Indians working elsewhere in Nepal still need work permits; and

(c) if so, what steps are being taken by Government to eliminate the requirement of such work permits?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir

(c) Does not arise.

कश्मीर में अमरनाथ की यात्रा पर जाने वाले तीर्थ-यात्रियों की सुरक्षा

245. **श्रीमती रमा कुमारी :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार ने कश्मीर घाटी में व्याप्त वर्तमान अशांत स्थिति को देखते हुए अमरनाथ की यात्रा पर जाने वाले तीर्थ-यात्रियों की सुरक्षा के लिए क्या प्रबन्ध किये हैं?

413 RS—5

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : अमरनाथ जाने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गयी है ।

पंजाब में आतंकवाद और अलगाववाद की समस्या के संबंध में धारावाहिक और टेली फिल्में

246. **श्री कपिल वर्मा :**
श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दूरदर्शन ने 1987 में पंजाब राज्य में व्याप्त आतंकवाद और अलगाववाद की समस्या पर धारावाहिकों और टेली फिल्मों के निर्माण की एक योजना बनायी थी ;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों में निर्माण के लिए ऐसे टेलीफिल्मों और धारावाहिकों की कुल संख्या कितनी थी और अब तक दूरदर्शन पर दिखाये गये धारावाहिकों और टेली फिल्मों के नाम क्या-क्या हैं ;

(ग) क्या ऐसे धारावाहिकों और टेली फिल्मों को दूरदर्शन पर दिखाये जाने से पंजाब समस्या के समाधान में कोई मदद मिली है ; और

(घ) ऐसे धारावाहिकों को दूरदर्शन पर दिखाये जाने के लिए कितना समय आबंटित किया गया है और पिछले तीन वर्षों के दौरान कितने प्रतिशत दर्शकों ने ऐसे धारावाहिकों को देखा है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री पी० उपेन्द्र) : (क) जी, हां ।

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान दूरदर्शन ने इस विषय पर निर्माण के लिए 40 टेलीफिल्मों और 18 दूरदर्शन धारावाहिकों का अनुमोदन किया है । टेली-

फिल्मों और दूरदर्शन धारावाहिकों के नाम जिन्हें प्रसारित किया गया है संलग्न विवरण में दिए गए हैं । (नीचे देखिए)

(ग) यह समझा गया कि इन कार्यक्रमों से लोगों को संबंधित मुद्दों को अच्छी तरह से समझने में मदद मिली है ।

(घ) इस कार्यक्रम के प्रसारण के लिए किसी नियत समय का आबंटन नहीं किया गया है । तथापि, इन कार्यक्रमों को सामान्यतया दर्शकों के लिए सुविधाजनक समय में प्रसारित किया जाता । दूरदर्शन व इन कार्यक्रमों के दर्शकों की संख्या का निधारण करने के लिए कोई विशिष्ट सर्वेक्षण नहीं कराया है ।

विवरण

टैली फिल्में :

1. अपनी-अपनी लड़ाई
2. नई सुबह
3. तपिश
4. बागी की बेटी
5. सब दिन एक दिन
6. चमन का फूल
7. तलाश
8. सरसों के फूल
9. होश
10. अपना सपना
11. सांझीवाल
12. संशय
13. पांच दरिया
14. पिंड जागदा है
15. गुमराह
16. सांझी कन्ध (सांझी दीवार)

धारावाहिक

1. एहो हमारा जीवणा
2. चोलो दामन
3. सांझा चूल्हा
4. दिल दरिया
5. दरार
6. हमला
7. शार्ट स्टोरी आफ पंजाबी राइटर्स
8. दास्ताने पंजाब
9 सिड़ियों का चम्बा

दूरदर्शन का "पत्रिका" कार्यक्रम

247. **श्री कपिल वर्मा :**
श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दूरदर्शन द्वारा दूरदर्शन पर दिखाया जाने वाला "पत्रिका' कार्यक्रम अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्यक्रम है ; क्योंकि इसमें सीधे ही उन लोगों के साथ विचारों का आदान प्रदान किया जाता जो प्रतिभा सम्पन्न हैं और सृजनात्मक कार्य करने की क्षमता रखते हैं ;

(ख) यदि हां, तो दूरदर्शन पर इस कार्यक्रम को कब से दिखाया जा रहा है और पिछले पांच वर्षों के दौरान कितने प्रतिशत लोगों ने इस कार्यक्रम को देखा है ; और

(ग) इस कार्यक्रम के निर्माण पर कितनी धनराशि व्यय की जाती और इसमें भाग लने वाले लोगों को पारिश्रमिक के रूप में कितनी धनराशि का भुगतान किया जाता है ?

•

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री पी० उपेन्द्र): (क) और (ख) पत्रिका कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण साहित्यिक पत्रिका कार्यक्रम है जो दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली द्वारा हिंदी में प्रसारित किया जा रहा है तथापि इसके दर्शकों की संख्या केवल 1 से 2 प्रतिशत है ।